an>

Title: Need to review ban on export of pulses.

श्री राजू शेट्टी (हातकणंगले) : महोदया, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद।

महोदया, पल्सेस यानी दालों की जरूरत देश के हर व्यक्ति को प्रोटीन की कमी पूरी करने के लिए होती है। पिछले कई सालों से हमारे देश में पर्याप्त मात्रा में पल्सेस की पैदावार नहीं हो रही है और इसीलिए हमें विदेश से दालों का आयात करना पड़ता है। इसके लिए हमारे देश की विदेशी पूँजी भी बड़ी मात्रा में खर्च हो रही है। पिछले कई सालों से केन्द्र और राज्य सरकारों ने प्रयास करके किसानों को प्रोत्साहन दिया कि उन्हें पल्सेस और खासकर तूर और चना जैसी फसलों को बढ़ावा देना चाहिए, उत्पादन बढ़ाने के लिए उन्होंने प्रोत्साहन दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि इस साल, खासकर महाराष्ट्र में बड़ी तादाद में तूर का उत्पादन बढ़ा है। हालात यहाँ तक आ गये हैं कि समर्थन मूल्य से भी कम दाम में किसानों को तूर बेचनी पड़ रही है।

मेरी आपके माध्यम से सदन और सरकार से विनती है कि विदेश से हम जो दाल आयात करते हैं, उसका आयात शुल्क बढ़ाने की जरूरत है। खासकर हमारे देश की जरूरत से ज्यादा अगर हमारा उत्पादन बढ़ रहा है तो हमें निर्यात करने की परमीशन मिलनी चाहिए। इसके लिए मैं आपके माध्यम से सदन और सरकार से विनती करता हूँ कि दाल एवं अन्य चीजों पर जो निर्यात का प्रतिबन्ध है, उसे हटाना चाहिए और हमें निर्यात की परमीशन मिल जाये।

माननीय अध्यक्ष : श्री राजीव सातव, श्री भैरों प्रसाद मिश्र, कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और श्री रवीन्द्र कुमार जेना को श्री राजू शेट्टी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।